Patrika (Indore), 17th April 2026, Page – Plus 04

#IITIndore: देश का पहला ऐसा कोर्स, जिसमें इंजीनियरिंग के साथ पर्यावरण, नीति और ऊर्जा का अध्ययन

आइआइटी इंदौर में ग्रीन फ्यूचर की पढ़ाई, बीटेक में ही सीखेंगे क्लाइमेट-इकोनॉमिक्स

जुलाई से 30 सीटों पर शुरू होंगे एडमिशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर: आइआइटी इंदौर ने बीटेक स्तर पर नया प्रोग्राम शुरू किया है, जिसमें इंजीनियरिंग के साथ पर्यावरण, अर्थशास्त्र और क्लाइमेट साइंस को एक साथ पढ़ाया जाएगा। एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स और सस्टेनेबल इंजीनियरिंग नाम से यह कोर्स जुलाई से शुरू होगा। इसमें जेईई एडवांस्ड के माध्यम से प्रवेश होगा और पहली बैच में 30 सीटें रखी गई हैं। यह देश के आइआइटी संस्थानों में अपनी तरह का पहला अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम माना जा रहा है।

यह कोर्स मेहता फैमिली स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के तहत शुरू किया जा रहा है, जिसकी स्थापना 2025 में हुई थी। इस स्कूल का उद्देश्य इंजीनियरिंग शिक्षा को सस्टेनेबिलिटी और

क्लाइमेट से जोड़ना है, ताकि विद्यार्थी सिर्फ तकनीकी विशेषज्ञ नहीं, बल्कि भविष्य के नीति-निर्माता भी बन सकें। इसमें तीन बड़े क्षेत्रों एनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी, एनर्जी सिस्टम्स एंड बैटरी टेक्नोलॉजी और वाटर एंड क्लाइमेट सिस्टम्स पर फोकस किया गया है। इन्हें अलग-अलग विषय की तरह नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़े हुए रूप में पढ़ाया जाएगा। यानी विद्यार्थी क्लासरूम में सीखी गई थ्योरी को समस्याओं से जोड़ पाएंगे।

सिर्फ पढ़ाई नहीं, इंडस्ट्री एक्सपोजर भी

कोर्स में इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल लर्निंग पर जोर रहेगा। विद्यार्थी मैन्युफैक्चरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा, इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सेक्टर्स में अनुभव हासिल करेंगे। सिस्टम मॉडलिंग, पर्यावरण मॉनिटरिंग जैसी स्किल भी सिखाई जाएगी। भविष्य में क्लाइमेट टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर, ईएसजी स्ट्रेटेजी व ग्रीन फाइनेंस में अवसर बढ़ेंगे। कोर्स इन्हीं के लिए तैयार करेगा। संस्थान निदेशक प्रो. सुहास जोशी का कहना है कि जलवायु संकट बढ़ रहा है, इसलिए ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी, जो विज्ञान और नीति दोनों को समझते हों। स्कूल की प्रमुख प्रोफेसर प्रीति शर्मा के अनुसार, यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक चुनौतियों पर काम करने का अवसर देगा।

रिसर्च और इंडस्ट्री का मिलेगा साथ

इस कोर्स का करिकुलम मेहता फैमिली फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सलाह शामिल है। स्कूल में तीन उत्कृष्टता केंद्र भी बनाए जाएंगे, जहां एडवांस रिसर्च और इंडस्ट्री सहयोग के अवसर मिलेंगे।